अग्नि पथ (हरिवंशराय बच्चन)

पाठ का परिचय

प्रस्तुत कविता में कवि ने जीवन को एक 'अग्नि पथ' बताया है। व्यक्ति के जीवन में बहुत-से संघर्ष और विघ्न-बाधाएँ हैं। इनसे घबराना नहीं चाहिए, बल्कि पूरी क्षमता और दृढ़ता से इनका सामना करना चाहिए। कविता में मनुष्य को संदेश दिया गया है कि जीवन की राह में सुखरूपी छाँह की इच्छा न करके अपनी मंजिल की ओर परिश्रमपूर्वक बिना थकान महसूस किए बढ़ते ही जाना चाहिए। कविता में शब्दों की पुनरावृत्ति पाठक की नस-नस में जोश भर देती है।

काव्यांशों का भावार्थ

अग्नि पथ

1. **अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!**
वृक्ष हों भले खड़े,
हों घने, हों बड़े,
एक पत्र-छाँह भी माँग मत, माँग मत, माँग मत!
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!

भावार्थ—कवि हरिवंशराय बच्चन ने प्रस्तुत पंक्तियों में जीवन को बहुत ही कठिन मार्ग बताया है। उनके अनुसार इस संसार में मनुष्य को अपने जीवन में निरंतर संघर्ष करने की आवश्यकता है। कवि ने कहा है कि अगर रास्ते में कोई घना वृक्ष दिखाई भी दे, तब भी हमें उनसे एक पत्ता भर छाया की इच्छा नहीं रखनी चाहिए; क्योंकि जीवन एक अग्नि पथ यानि कठिन मार्ग है और ऐसे मार्ग पर व्यक्ति को बिना किसी की सहायता की अपेक्षा किए निरंतर चलते रहना चाहिए, तभी सफलता उसके कदम चूमेगी।

2. **तू न थकेगा कभी!**
तू न थमेगा कभीं!
तू न मुड़ेगा कभी!- कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ!
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!

भावार्थ—कवि बच्चन जी कहते हैं कि जीवन संघर्ष और निरंतर चलते रहने का नाम है। इसलिए हे मनुष्य! तू यह प्रतिज्ञा कर ले कि तू कभी नहीं थकेगा, कभी रुकेगा भी नहीं तू अपने जीवन पथ पर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखेगा; क्योंकि यह जीवन एक अग्नि पथ है। इस पर निरंतर चलना ही पड़ता है।

3. **यह महान दृश्य है-**
चल रहा मनुष्य है
अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ, लथपथ, लथपथ!
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!

भावार्थ—कवि कहता है कि संसार का सबसे महान और अद्भुत दृश्य यह है कि जीवन पथ पर हर मनुष्य चल रहा है अर्थात् हर मनुष्य जीवन को व्यतीत कर रहा है, लेकिन अंतर यह है कि कोई आँसुओं से लथपथ है अर्थात् रो-रोकर जीवन बिता रहा है। कोई पसीने से लथपथ है अर्थात् जीवन को संघर्ष से बिता रहा है और कोई खून से लथपथ है अर्थात् दूसरों के लिए जीवन को बलिदान कर रहा है। फिर भी हर मनुष्य जीवन पथ पर चला जा रहा है; क्योंकि यह जीवन एक अग्नि पथ है, जिस पर चलना ही पड़ता है।

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

(1) वृक्ष हों भले खड़े,
हों घने, हों बड़े,
एक पत्र-छाँह भी माँग मत, माँग मत, माँग मत!
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!

1. कवि ने किसके खड़े होने की बात की है–
(क) पर्वतों के (ख) झाड़ियों के
(ग) वृक्षों के (घ) लोगों के।

2. वृक्ष कैसे हों–
(क) सूखे (ख) हरे-भरे
(ग) छोटे-छोटे (घ) घने और बड़े।

3. 'वृक्ष' किसका प्रतीक है–
(क) छाया का (ख) हरियाली का
(ग) सहायक का (घ) बाधा का।

4. कवि ने क्या माँगने के लिए मना किया है–
(क) फल (ख) फूल
(ग) एक पत्ते की छाँह (घ) इनमें से कुछ नहीं।

5. 'अग्नि पथ' किसे कहा गया है–
(क) सुखद जीवन को (ख) संघर्षमय जीवन को
(ग) समृद्ध जीवन को (घ) अभावग्रस्त जीवन को।

उत्तर– 1. (ग) **2.** (घ) **3.** (ग) **4.** (ग) **5.** (ख)।

(2) यह महान दृश्य है–
चल रहा मनुष्य है
अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ, लथपथ, लथपथ!
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!

1. दृश्य कैसा है–
(क) सुखद (ख) दुःखद
(ग) भयानक (घ) महान।

2. कौन चल रहा है–
(क) मनुष्य (ख) घोड़ा
(ग) हाथी (घ) समय।

3. मनुष्य किससे लथपथ है–
(क) अश्रु से (ख) पसीने से
(ग) रक्त से (घ) इन सभी से।

4. 'अश्रु' किसका प्रतीक है–
(क) खुशी का (ख) दुःख का
(ग) क्रोध का (घ) घृणा का।

5. 'स्वेद' किसका प्रतीक है–
(क) सुंदरता का (ख) भय का
(ग) परिश्रम का (घ) अकर्मण्यता का।

उत्तर– 1. (घ) **2.** (क) **3.** (घ) **4.** (ख) **5.** (ग)।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. **'अग्नि पथ' कविता के कवि का नाम है–**
   (क) सियारामशरण गुप्त (ख) रामधारी सिंह 'दिनकर'
   (ग) हरिवंशराय बच्चन (घ) अरुण कमल।
2. **हरिवंशराय बच्चन का जन्म कब हुआ–**
   (क) सन् 1902 में (ख) सन् 1905 में
   (ग) सन् 1910 में (घ) सन् 1907 में।
3. **बच्चन जी का जन्म उत्तर प्रदेश के किस नगर में हुआ–**
   (क) लखनऊ में (ख) कानपुर में
   (ग) इलाहाबाद (प्रयागराज) में (घ) बनारस में।
4. **कौन-सी रचना बच्चन जी की नहीं है–**
   (क) मधुशाला (ख) निशा-निमंत्रण
   (ग) टूटती चट्टानें (घ) रश्मिरथी।
5. **कवि ने संघर्षमय जीवन को क्या कहा है–**
   (क) कंटक पथ (ख) पुष्प पथ
   (ग) अग्नि पथ (घ) जल पथ।
6. **'अग्नि पथ' कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है–**
   (क) जीवन संघर्षमय है
   (ख) जीवन पथ पर सुखरूपी छाँह की इच्छा नहीं करनी चाहिए
   (ग) अपनी मंजिल की ओर कर्मठतापूर्वक बढ़ते जाना चाहिए
   (घ) उपर्युक्त सभी।
7. **कवि मनुष्य से क्या शपथ कराना चाहता है–**
   (क) कभी न थकने की (ख) कभी न थमने की
   (ग) कभी न मुड़ने की (घ) ये सभी।
8. **'अग्नि पथ' कविता में क्या देखने योग्य है–**
   (क) वर्णों की पुनरावृत्ति (ख) शब्दों की पुनरावृत्ति
   (ग) अलंकारों का प्रयोग (घ) व्यंग्यात्मक शैली।
9. **'अग्नि पथ' शब्द के अतिरिक्त कविता में और किन शब्दों की पुनरावृत्ति हुई है–**
   (क) माँग मत (ख) कर शपथ
   (ग) लथपथ (घ) ये सभी।
10. **'एक पत्र छाँह भी माँग मत' का आशय है–**
    (क) थोड़ी-सी भी मदद या आश्रय की उम्मीद न करना
    (ख) एक पत्ते जितनी छाया भी न माँगना
    (ग) एक भी पत्र न भेजना
    (घ) बिना माँगे मदद पाना।
11. **कवि कैसी शपथ लेने की बात कर रहा है–**
    (क) आग भरे रास्ते पर न चलने की
    (ख) पेड़ की छाया के नीचे ठहरने की
    (ग) रुक जाने की
    (घ) चलते रहने की।
12. **संघर्षमय जीवन के सुंदर रूप को कविता की किस पंक्ति में दर्शाया गया है–**
    (क) तू न थकेगा कभी (ख) तू न थमेगा कभी
    (ग) अग्नि पथ, अग्नि पथ (घ) यह महान दृश्य है।
13. **कवि मानव को थकने और थमने से क्यों मना करता है–**
    (क) क्योंकि लक्ष्य पाने के लिए निरंतर परिश्रम जरूरी है
    (ख) क्योंकि थकना व थमना कायरता है
    (ग) क्योंकि ऐसा करने से लक्ष्य में बाधा आती है
    (घ) उपर्युक्त सभी।
14. **कवि किसे संबोधित कर रहा है–**
    (क) कायर व्यक्ति को
    (ख) जीवन की राह में बढ़ते परिश्रमी व्यक्ति को
    (ग) भक्त व्यक्ति को
    (घ) मनमौज़ी व्यक्ति को।
15. **हरिवंशराय बच्चन को निम्नलिखित में से कौन-सा पुरस्कार नहीं मिला–**
    (क) साहित्य अकादमी पुरस्कार
    (ख) सोवियत भूमि नेहरू पुरस्कार
    (ग) सरस्वती सम्मान
    (घ) ज्ञान पीठ पुरस्कार।
16. **'अग्नि पथ' का आशय है–**
    (क) अग्नि से घिरा रास्ता
    (ख) जंगल का रास्ता
    (ग) संघर्ष और परिश्रम का रास्ता
    (घ) कविता करने का धर्म।
17. **इस कविता में किस प्रकार का मनुष्य पूजनीय है–**
    (क) दृढ़ संकल्पी, संघर्षशील और परिश्रमी व्यक्ति
    (ख) आलसी और असफल व्यक्ति
    (ग) मूर्ख और अंहकारी व्यक्ति
    (घ) स्वाभिमानी और सफल व्यक्ति।
18. **छाया माँगने का क्या अर्थ है–**
    (क) ठंडक माँगना
    (ख) छाँह में बैठने की अनुमति माँगना
    (ग) सुख-सुविधा चाहना
    (घ) धन-दौलत की सहायता चाहना।
19. **मुड़ने का तात्पर्य क्या है–**
    (क) यादों में लौटना (ख) मंजिल प्राप्त करना
    (ग) मंजिल प्राप्त किए बिना लौटना (घ) थक जाना।
20. **'पथ' का पर्यायवाची है–**
    (क) छाया (ख) कामना
    (ग) मार्ग (घ) अग्नि।

उत्तर– **1.** (ग) **2.** (घ) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (ग) **6.** (घ) **7.** (घ) **8.** (ख) **9.** (घ) **10.** (क) **11.** (घ) **12.** (घ) **13.** (क) **14.** (ख) **15.** (घ) **16.** (ग) **17.** (क) **18.** (ग) **19.** (ग) **20.** (ग)।

भाग-2

वर्णनात्मक प्रश्न

काव्य-बोध परखने हेतु प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : 'अग्नि पथ' कविता में अग्नि पथ किसका प्रतीक है?

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता में अग्नि पथ संघर्षपूर्ण जीवन का प्रतीक है। कवि ने जीवन के मार्ग को 'अग्नि पथ' कहा है; क्योंकि जीवन जीना सरल नहीं है। उसमें पग-पग पर अनेक कठिनाइयों और मुश्किलें हैं। मानव-जीवन संघर्ष से भरा है।

प्रश्न 2 : कवि क्या माँगने के लिए मना करता है और क्यों? 'अग्नि पथ' कविता के आधार पर बताइए।

उत्तर : कवि ने एक पत्ते की भी छाँह माँगने के लिए मना किया है। कवि कहता है कि राह में चाहे कितने भी बड़े और छायादार वृक्ष खड़े हों, लेकिन तुम्हें एक पत्ते की भी छाया नहीं माँगनी चाहिए; क्योंकि जीवन एक अग्नि पथ है, उसे छाया अर्थात् सुख में बैठकर नहीं, बल्कि संघर्ष करके तय किया जा सकता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 3 : 'अग्नि पथ' कविता में कवि ने 'वृक्ष' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया है?

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता में 'वृक्ष' शब्द का प्रयोग 'सहायक' या सुख-सुविधा के संदर्भ में किया है। इसके द्वारा कवि बताना चाहता है कि जिस प्रकार मार्ग में स्थित वृक्ष यात्री को छाया देता है और यात्री चलना बंद करके विश्राम करने लगता है, उसी प्रकार जीवन में सहायक या सुख-सुविधा मिल जाने पर जीवन संघर्ष धीमा पड़ जाता है। अतः सहायक की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

प्रश्न 4 : कवि मनुष्य से कौन-सी शपथ कराना चाहता है और क्यों?

उत्तर : कवि मनुष्य से यह शपथ कराना चाहता है कि जीवन की राह में वह कभी नहीं थकेगा, कभी नहीं रुकेगा और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। वह यह शपथ इसलिए कराना चाहता है; क्योंकि यह जीवन अग्नि पथ है, इसे निरंतर चलते रहकर और सामने लक्ष्य पर दृष्टि रखकर ही पार किया जा सकता है।

प्रश्न 5 : 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर : शब्दों की पुनरावृत्ति किसी बात पर बल देने के लिए की जाती है। 'माँग मत', 'कर शपथ' और 'लथपथ' शब्दों का प्रयोग करके कवि कहना चाहता है कि जीवन एक 'अग्नि पथ' है। इस पर चलकर लक्ष्य पाने के लिए स्वाभिमान, दृढ़ संकल्प और परिश्रम अत्यंत आवश्यक हैं। व्यक्ति को याचना नहीं करनी चाहिए, दृढ़ प्रतिज्ञ होना चाहिए और पसीने से लथपथ करने वाला परिश्रम करना चाहिए।

प्रश्न 6 : 'अग्नि पथ' कविता में कवि किसे संबोधित करता हुआ क्या प्रेरणा दे रहा है?

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता में कवि मनुष्य को संबोधित कर रहा है और जीवन में निरंतर संघर्ष करते हुए उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहा है।

प्रश्न 7 : 'अग्नि पथ' कविता में कवि किस दृश्य को महान बता रहा है?

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता में कवि ने उस दृश्य को महान बताया है' जिसमें संसार का प्रत्येक मनुष्य जीवन की राह पर चला जा रहा है, लेकिन सबका चलन भिन्न है। कोई अश्रु से लथपथ है अर्थात् रोता हुआ चल रहा है, कोई पसीने से लथपथ है अर्थात् परिश्रम से जीवन बिता रहा है और कोई खून से लथपथ है अर्थात् अपना खून देश, समाज और मानवता के लिए बहाकर जीवन बिता रहा है। यह दृश्य अद्भुत और महान है कि एक ही मार्ग पर लोगों का चलन भिन्न है।

प्रश्न 8 : 'अग्नि पथ' कविता में 'अश्रु-स्वेद-रक्त' का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस कविता में 'अश्रु' जीवन में आने वाले कष्टों, विपदाओं और दुःखों का प्रतीक है। 'स्वेद' कठोर परिश्रम, संघर्ष और कर्मठता का प्रतीक है। 'रक्त' क्रांति और त्याग-बलिदान का प्रतीक है।

प्रश्न 9 : 'एक पत्र– छाँह भी माँग मत' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस पंक्ति का आशय यह है कि मनुष्य का जीवन अग्नि पथ अर्थात् आग पर चलने जैसा है। छाँह अर्थात् सुख की कामना करने वाला व्यक्ति इस मार्ग पर नहीं चल सकता। अतः जीवन में चाहे जितने भी बड़े सुख-साधन मिलें, मनुष्य को उनकी इच्छा न करते हुए निरंतर संघर्ष करते रहना चाहिए।

प्रश्न 10 : 'अग्नि पथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता हरिवंशराय बच्चन की प्रसिद्ध रचना है। इस कविता में जीवन को 'अग्नि पथ' के रूप में चित्रित किया गया है। मनुष्य का जीवन संघर्षमय है। जिस प्रकार अग्नि के पथ को निरंतर चलकर ही पार किया जा सकता है, उसी प्रकार जीवन में सुख-रूपी छाँह की इच्छा न करके बिना थके, बिना रुके निरंतर परिश्रम करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। निरंतर संघर्ष से ही जीवन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। यही इस कविता का मूलभाव है।

प्रश्न 11 : 'अग्नि पथ' कविता के अनुसार व्यक्ति को जीवन के मार्ग पर कैसे आगे बढ़ना चाहिए?

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता के अनुसार व्यक्ति को जीवन मार्ग पर चलते हुए कभी भी सुख-सुविधाओं की याचना नहीं करनी चाहिए। उसे इस बात के लिए दृढ़-प्रतिज्ञ होना चाहिए कि वह जीवन मार्ग पर चलता हुआ कभी थकेगा नहीं, रुकेगा नहीं और पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। व्यक्ति को संघर्ष करते हुए निरंतर इस 'अग्नि पथ' पर आगे बढ़ते जाना चाहिए।

प्रश्न 12 : मानवतावादी दृष्टिकोण सामान्यतः अग्नि पथ की ओर ही क्यों अग्रसर करता रहा है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : मानव स्वभाव से ही संघर्षशील एवं कर्मयोगी है। यही कारण है कि मानवतावादी दृष्टिकोण उसे सदैव संघर्ष और परिश्रम के रास्ते की ओर चलने के लिए प्रेरित करता है। यही मार्ग उसके लिए कल्याणकारी भी है। यद्यपि यह मार्ग 'अग्नि पथ' है, लेकिन इससे विरत होते ही मनुष्य अन्याय, भ्रष्टाचार, घृणा, द्वेष आदि अमानवीय मार्गों पर अग्रसर हो जाता है; अतः 'अग्नि पथ' पर चलना ही मानवता है।

प्रश्न 13 : क्या घने वृक्ष भी राह में बाधक हो सकते हैं? 'अग्नि पथ' कविता के आधार पर बताइए।

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता के कवि के अनुसार वृक्ष भी मार्ग में बाधक बन सकते हैं। मार्ग में चलता हुआ यात्री जब वृक्षों की घनी छाया को देखता है तो वह विश्राम करने के लिए बैठ जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि वह लक्ष्य पर नहीं पहुँच पाता। इस प्रकार वृक्ष मार्ग के बाधक बन जाते हैं।

प्रश्न 14 : 'अग्नि पथ' कविता किस शैली में लिखी गई है? इसे पढ़कर मन में किस प्रकार के भाव उत्पन्न होते हैं?

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता उद्बोधन शैली में लिखी गई है। इस कविता का स्वर संघर्षमय है। यह कविता इस तथ्य को उजागर करती है कि जीवन में संघर्ष अपरिहार्य है। इससे बचने वाला व्यक्ति कभी-भी अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता है। अतः यह कविता मनुष्य को निरंतर संघर्ष करने की प्रेरणा देती है; क्योंकि जीवन का दूसरा नाम ही संघर्ष है। कविता को पढ़कर मन में उत्साह, उमंग और जोश उत्पन्न होता है।

प्रश्न 15 : 'अग्नि पथ' कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता के माध्यम से कवि संघर्षों के रास्ते पर चलने का आह्वान करता है। वह कहता है कि कितनी भी मुश्किलें सामने क्यों न हों, न तो तू याचक बन और न आराम कर, बल्कि इस अग्नि पथरूपी जीवन-पथ पर अनवरत चलता चल। तू यह प्रण कर ले कि इस रास्ते से तू न तो कभी भटकेगा और न कभी रुकेगा।

कवि को यह दृश्य बहुत महान लगता है कि लाख कठिनाइयों, वेदनाओं और चुनौतियों से घिरा होने के बावजूद मनुष्य आगे बढ़ने को अग्रसर व तत्पर दिखाई देता है। कवि का यही संदेश है कि मनुष्य अपने जीवन में आने वाली कठिनाइयों से न घबराए, किसी के सामने हार न माने और सदैव संघर्षों के रास्ते को अपनाता हुआ प्रगति के पथ पर बढ़ता जाए।

प्रश्न 16 : 'अग्नि पथ' कविता में 'छाँह माँगना' किसका प्रतीक है? कवि ने छाँह माँगने के लिए क्यों मना किया है?

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता में 'छाँह माँगना' सुख-सुविधाओं का प्रतीक है। कवि ने इस कविता में जीवन को 'अग्नि पथ' माना है। इस पथ पर चलने के लिए संघर्ष अनिवार्य है। कवि मनुष्यों को प्रेरित करता है। वह कहता है कि संघर्षशील मनुष्य अपने मन में दृढ़-संकल्प रखे। वह सुख-सुविधाओं के लालच में न पड़े। इसलिए वह 'अग्नि पथ' पर चलते हुए छाँह माँगने के लिए मना करता है। मनुष्य को जीवन में सफल होने के लिए सुख-सुविधा के मोह को त्यागना होगा। इससे व्यक्ति को सुविधा भोगी होने की आदत लग जाती है। इस आदत के कारण वह जीवन में आने वाली कठिनाइयों

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

से बचने की कोशिश करता है। कवि जीवन को अग्नि से भरा पथ मानता है। इसमें पग-पग पर चुनौतियाँ और कष्ट हैं। सुख-सुविधाओं को त्यागकर संघर्ष करने वाला मनुष्य ही इस पथ पर चल सकता है। अतः कवि ने छाँह माँगने के लिए मना किया है।

प्रश्न 17 : 'अग्नि पथ' कविता के प्रतिपाद्य पर विचार करते हुए वर्तमान में इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : जीवन वस्तुतः संघर्ष का ही नाम है। मनुष्य को आगे बढ़ने के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ता है। वर्तमान सामाजिक परिवेश भी जीवन को संघर्ष के रूप में ही स्थापित करता है। वर्तमान सामाजिक परिवेश अपनी विषमता की अधिकता के कारण अधिक संघर्ष की माँग करता है। 'अग्नि पथ' कविता जीवन के इसी संघर्ष को व्याख्यायित करती है। यह जीवन को संघर्ष का पर्याय मानते हुए मनुष्य को निरंतर इससे जूझने की प्रेरणा देती है: अतः मैं इससे पूरी तरह सहमत हूँ कि वर्तमान सामाजिक परिवेश अग्नि पथ की माँग करता है।

'अग्नि पथ' कविता मनुष्य को प्रेरणा देती है कि जीवनरूपी संघर्ष से घबराकर हमें भागना नहीं चाहिए, बल्कि संघर्षों से गुज़रते हुए, जीवन की कठिनाइयों का सामना करते हुए धैर्य एवं दृढ़-संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। इसी में जीवन की सार्थकता है। आँसू, पसीने एवं रक्त से लथपथ होकर भी कर्मवीर मनुष्य की भाँति अपने जीवन को सफल बनाना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

निर्देश–निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–

यह महान दृश्य है–
चल रहा मनुष्य है
अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ, लथपथ, लथपथ!
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!

1. **दृश्य कैसा है–**
   (क) सुखद (ख) दुःखद
   (ग) भयानक (घ) महान।
2. **कौन चल रहा है–**
   (क) मनुष्य (ख) घोड़ा
   (ग) हाथी (घ) समय।
3. **मनुष्य किससे लथपथ है–**
   (क) अश्रु से (ख) पसीने से
   (ग) रक्त से (घ) इन सभी से।
4. **'अश्रु' किसका प्रतीक है–**
   (क) खुशी का (ख) दुःख का
   (ग) क्रोध का (घ) घृणा का।
5. **'स्वेद' किसका प्रतीक है–**
   (क) सुंदरता का (ख) भय का
   (ग) परिश्रम का (घ) अकर्मण्यता का।

निर्देश–निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–

6. **'अग्नि पथ' कविता के कवि का नाम है–**
   (क) सियारामशरण गुप्त (ख) रामधारी सिंह 'दिनकर'
   (ग) हरिवंशराय बच्चन (घ) अरुण कमल।
7. **बच्चन जी का जन्म उत्तर प्रदेश के किस नगर में हुआ–**
   (क) लखनऊ में (ख) कानपुर में
   (ग) इलाहाबाद (प्रयागराज) में (घ) बनारस में।
8. **'अग्नि पथ' का आशय है–**
   (क) अग्नि से घिरा रास्ता
   (ख) जंगल का रास्ता
   (ग) संघर्ष और परिश्रम का रास्ता
   (घ) कविता करने का धर्म।

निर्देश–निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

9. **'अग्नि पथ' कविता में अग्नि पथ किसका प्रतीक है?**
10. **'एक पत्र– छाँह भी माँग मत' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।**
11. **मानवतावादी दृष्टिकोण सामान्यतः अग्नि पथ की ओर ही क्यों अग्रसर करता रहा है? स्पष्ट कीजिए।**
12. **'अग्नि पथ' कविता में 'छाँह माँगना' किसका प्रतीक है? कवि ने छाँह माँगने के लिए क्यों मना किया है?**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in